Deg-2
Hist(H)

गियासुद्दीन तुगलक

गियासुद्दीन तुगलक का बचपन काफी परेशानियों में व्यतीत हुआ था और उसने इन विपत्तियों से काफी कुछ सीखा था, इसी कारण उसने सत्ता प्राप्त करने के पश्चात एक योग्य शासक की भाँति कार्य किया, उसका दरबार शानोशौकत से रहित था- अमीर खुसरो ने उसकी प्रशंसा में लिखा है।

" He never did anything that was not replete with wisdom and sence. He might be said to wear a hundred doctors' hoods under the crown "

सुल्तान बनने के उपरान्त गियासुद्दीन ने प्रशासन और आर्थिक स्थिति सुधारने हेतु प्रयास किया और उसने जांगीरो की जाँच करायी. यद्यपि इन कार्यों से उसको नापसन्द किया जाने लगा, लेकिन शीघ्र उसने अपने द्वारा किए गए कल्याणकारी कार्यो से अपनी स्थिति सुधार ली. उसने प्रान्तों में सूबेदारों को नियुक्त किया और उन्हें निर्देश दिया कि वे किसानों का उत्पीड़न न करें। गियासुद्दीन ने प्रजा की भलाई के लिए अन्य कार्य भी किए। उसने नहरें खुदवाई बगीचे लगवाये किसानों की आक्रमणों से रक्षा के लिए उनके लिए किले बनवाए।

P.T.O

गियासुद्दीन के शासनकाल में ही बंगाल में गृहयुद्ध छिड़ गया। बंगाल के शासक शमसुद्दीन फिरोजशाह की 1322 ई० में मृत्यु हो गई, उसके पुत्रों गियासुद्दीन बहादुर शिहाबउद्दीन बुगरा शाह और नसीरुद्दीन के बीच सत्ता के लिए गृह युद्ध छिड़ गया, गियासुद्दीन बहादुर ने शिहाबउद्दीन बुगरा शाह को परास्त कर दिया, लेकिन नसीरुद्दीन ने गियासुद्दीन तुगलक को हस्तक्षेप करने के लिए आमंत्रित किया। गियासुद्दीन तुगलक ने तुरन्त आक्रमण किया और गियासुद्दीन बहादुर को बन्दी बना ले आया और नसीरुद्दीन को बंगाल का शासक नियुक्त किया।

बूढ़ा तुगलक बादशाह इस विजय का उपलक्ष्य भी नहीं मना पाया था कि स्वर्ग सिधार गया, कुछ इतिहासकार कहते हैं कि उसकी मृत्यु महज एक हादसा थी और कुछ इतिहासकारों का ~~मत~~ मत है कि गियासुद्दीन की मृत्यु, मृत्यु न होकर योजनाबद्ध कत्ल था।